केन्द्रीय विद्यालय संगठन

शिक्षा एवं प्रशिक्षण का आंचलिक संस्थान, मैसूर

आकृति -6

त्रैमासिक द्विभाषी ई- पत्रिका (जुलाई से सितंबर 2024)

kvszietmysore@gmail.com

Phone 0821 -2470345

संरक्षक/ Patron

सुश्री मीनाक्षी जैन/ Ms Menaxi Jain

उपायुक्त, केन्द्रीय विद्यालय संगठन

एवं

निदेशक, शिक्षा एवं प्रशिक्षण का आंचलिक संस्थान, मैसूर

संपादक

दिनेश कुमार

प्रशिक्षण सहयोगी भौतिकी

शिक्षा एवं प्रशिक्षण का आंचलिक संस्थान, मैसूर

आकृति-6

निदेशक की कलम से

संस्थान की गतिविधियों का दर्पण त्रैमासिक पत्रिका आकृति का छठा संस्करण सभी के सम्मुख प्रस्तुत है। पत्रिका का मुख्य उद्देश्य हिंदी प्रचार प्रसार को बढ़ावा देना है।राजभाषा के माध्यम से प्रकाशित यह पत्रिका नूतन विचार, दृष्टिकोणों की मौलिकता तथा रचनात्मक कौशल को नया आयाम प्रदान कर रही है। हिंदी सृजनात्मकता को प्रभावी बनाने की दिशा में यह एक सकारात्मक क़दम है। ।राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 में शिक्षक- प्रशिक्षण को विशेष महत्व दिया गया है। प्रशिक्षण कर्मचारी की दक्षता बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका अदा करता है। प्रशिक्षण शिक्षा के क्षेत्र में आए परिवर्तनों से शिक्षकों का परिचय कराता है।आप सभी के समक्ष विभिन्न प्रशिक्षण कार्यशालाओं एवं अन्य गतिविधियों का विवरण इस पत्रिका के माध्यम से सबके सम्मुख प्रस्तुत करते हुए बड़ा हर्ष अनुभव हो रहा है। संस्थान के सभी कर्मचारियों का सतत प्रयास तथा सकारात्मक दृष्टिकोण प्रशंसनीय है।

शुभकामनाओं सहित।

मीनाक्षी जैन

निदेशक

सूचकांक

क्र सं	विषय वस्तु	पृष्ठ संख्या
1	जांच बिंदुओं का निर्धारण	5
2	हिन्दी कार्यशाला का कार्यवृत	7
3	जुलाई से सितंबर तिमाही बैठक का कार्यवृत	8
4	हिन्दी पखवाड़ा	10
5	नव नियुक्त पी जी टी अंग्रेजी के लिए प्रवेषण प्रशिक्षण	11
6	नव नियुक्त पी जी टी रसायन के लिए प्रवेषण प्रशिक्षण	13
7	नव नियुक्त शारीरिक शिक्षकों के लिए प्रवेषण प्रशिक्षण	14
8	21 वीं सदी के कौशल पर कार्यशाला	15
9	लेखांकन अधिकारियों की क्षमता निर्माण	17
10	नव नियुक्त प्राचार्य के लिए प्रवेषण प्रशिक्षण	18
11	अंग्रेजी में दक्षता आधारित पाठ्यचर्या सम्प्रेषण	20
12	विज्ञान में दक्षता आधारित मूल्यांकन	21
13	नव नियुक्त उप प्राचार्य के लिए प्रवेषण प्रशिक्षण	23
14	नव नियुक्त पी जी टी गणित के लिए प्रवेषण प्रशिक्षण	24
15	गणित में प्रयोगशाला संवर्धन कार्यशाला	25
16	गणित में दक्षता आधारित मूल्यांकन	26
17	भौतिकी में दक्षता आधारित मूल्यांकन	27
18	Report on Induction course for PGT(Eng)	29
19	Report on Induction course for PGT(Chem)	30
20	Report on Induction course for TGT(P & He)	31
21	3-Day GPIA workshop	31
22	Report on Induction course for Principals	32
23	PGT (Eng) Curriculum transaction	33
24	CBA in Science	34
25	Report on Induction course for Vice Principal	35
26	Report on Induction course for PGT(Maths)	36
27	3-Day workshop for PGT (Maths) on Lab Activity	37
28	CBA in Maths	38
29	CBA in Physics	39

जांच बिंदुओं का निर्धारण

केन्द्रीय विद्यालय संगठन द्वारा प्राप्त निर्देशों की अनुपालना में जांच बिंदुओं का निर्धारण किया गया

1. राजभाषा नियम 1976 के नियम 5 की अनुपालन में हिन्दी में प्राप्त हुए पत्रों के उत्तर हिन्दी में दिए जाने अनिवार्य है।
2. राजभाषा नियम 1976 के नियम 8(4) के तहत प्रवीणता प्राप्त अधिकारियों को अपना कार्य हिन्दी में करने हेतु विनिर्दिष्ट करना।
3. अनुभाग अधिकारी / शाखा अधिकारी की यह जिम्मेदारी सुनिश्चित की जाए कि राजभाषा नियम 1976 के नियम 11 में उल्लिखित सभी वस्तुएं जैसे रजिस्टरों के प्ररूप व शीर्षक , नामपट्ट ,सूचनापट्ट , होर्डिंग्स निमंत्रण पत्र मोहरें आदि अनिवार्यतः द्विभाषी रूप में बनवाई जाए।
4. राजभाषा अधिनियम 1963 की धार 3(3) की अनुपालना में सामान्य आदेश, नोटिस ज्ञापन , परिपत्र, रिपोर्ट,संविदा आदि का द्विभाषी होना अनिवार्य है। जिसमे हिन्दी रूपांतर अंग्रेजी रूपांतर से ऊपर हो।
5. क तथा ख क्षेत्रों को भेजे जाने वाले पत्रों के लिफ़ाफों पर पते हिन्दी में लिखे जाने चाहिए। इसके लिए परेशान अनुभाग को जांच बिन्दु बनाया जा सकता है।
6. फॉर्म, कोड ,मैन्यूअल इत्यादि का द्विभाषी प्रकाशन होना चाहिए जिसके लिए संबंधित अनुभाग अधिकारी को जांच बिन्दु निर्धारित किया जाए।
7. कार्यालय के द्वारा प्रयुक्त सभी सेवा पुस्तिकाओं में प्रविष्टियाँ हिन्दी में की जाए। इसके लिए प्रविष्टि करने वाले कर्मी को जांच बिन्दु निर्धारित किया जाए।
8. विभागीय बैठकों /संगोष्ठियों के कार्यवृत हिन्दी या द्वैभाषी तैयार किए जाएँ।
9. विज्ञापन एवं प्रचार प्रसार पर होने वाले व्यय का काम से काम 50% हिन्दी में होना चाहिए।

10. सभी संबंधित आंतरिक लेखा परीक्षा टीम के प्रमुख को इसके लिए जांच बिन्दु बनाया जाए। वे यह सुनिश्चित करें कि आंतरिक लेखा परीक्षा के दौरान संबंधित कार्यालय का राजभाषा संबंधी निरीक्षण भी विस्तार से करें। साथ ही अपनी निरीक्षण रिपोर्ट में राजभाषा के प्रयोग संबंधी टिप्पणी अवश्य दें तथा निरीक्षण रिपोर्ट द्विभाषी रूप में प्रस्तुत करें।
11. प्रत्येक तिमाही के दौरान राजभाषा कार्यान्वयन समिति की कम से कम एक बैठक का आयोजन अपेक्षित है इन बैठकों के कार्यवृतों का समुचित रिकार्ड रखा जाए। इन सभी बैठकों में राजभाषा विभाग द्वारा जारी वार्षिक कार्यक्रम के प्रत्येक मद पर चर्चा की जाए।

आकृति -6

हिन्दी कार्यशाला का कार्यवृत

दिनांक 27.09.2024

शिक्षा एवं प्रशिक्षण के आंचलिक संस्थान, मैसूर में 27.09.2024 को एक दिवसीय हिन्दी कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का आयोजन सुश्री मीनाक्षी जैन, उपायुक्त एवं निदेशक शि.प्र.आं.सं मैसूर की अध्यक्षता में तकनीकि कक्ष में हुआ।

कार्यशाला का संचालन श्री दिनेश कुमार, प्रशिक्षण सहयोगी (भौतिकी) ने किया।

- कार्यशाला का शुभारंभ श्री दिनेश कुमार के स्वागत भाषण के साथ हुआ जिसमे कार्यशाला में उपस्थित सभी सदस्यों का स्वागत किया गया। इसके बाद उन्होंने कार्यशाला में होने वाली गतिविधियों के बारे में सभी को जानकारी दी।
- अपने सम्बोधन में निदेशक महोदय ने हिन्दी पखवाड़ा में चल रही गतिविधियों में ज्यादा से ज्यादा भाग लेने के लिए सभी को प्रोत्साहित किया , साथ ही राजभाषा की आवश्यकता के बारे में बताया ।
- इसके बाद श्री दिनेश कुमार ने कंठस्थ 2.0 पर सत्र लिया इसके बाद सभी ने अभ्यास किया।
- कार्यशाला में सभी ने राजभाषा अधिनियम पर परिचर्चा की।
- श्री बरुन कुमार झा के धन्यवाद ज्ञापन के साथ कार्यशाला का समापन हुआ।

जुलाई से सितंबर तिमाही बैठक का कार्यवृत

राजभाषा हिंदी के कार्यान्वयन समिति की दिनांक 30.09.2024 को 75वीं बैठक का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता सुश्री मीनाक्षी जैन ने की। बैठक का संचालन श्री दिनेश कुमार ने किया। बैठक में की गई कारवाई तथा लिए गए निर्णयों का विवरण इस प्रकार है -

एजेंडा बिंदु 1 : स्वागत भाषण/Welcome Address.

श्री दिनेश कुमार ने अध्यक्ष की अनुमति से कार्यक्रम का शुभारंभ करते हुए सुश्री मीनाक्षी जैन, उपायुक्त,केविसं एवं निदेशक, शिक्षा एवं प्रशिक्षण आंचलिक संस्थान, मैसूर का स्वागत किया | तत्पश्चात उन्होंने उपस्थित सभी सदस्यों का स्वागत किया।

एजेंडा बिंदु No.2 : पिछली बैठक की रिपोर्ट प्रस्तुति और समीक्षा/**Submission of Minutes of previous quarterly meeting and review**

कार्यसूची के अनुसार भौतिकी प्रशिक्षण सहयोगी ने पूर्व बैठक दिनांक 28.06.2024 की रिपोर्ट तथा के.वि.सं (मुख्य) द्वारा भेजी गई समीक्षा को सबके समक्ष प्रस्तुत किया और बताया कि समीक्षा में दिए गए निर्देशों का अनुपालन किया जा रहा है | फिर पूर्व बैठक में लिए गए निर्णयों के अनुपालन की जांच की गई |

एजेंडा बिंदु No.3 वर्तमान तिमाही प्रतिवेदन

अध्यक्ष की अनुमति के पश्चात श्री बरुन कुमार झा ने वर्तमान तिमाही का प्रतिवेदन सबके समक्ष प्रस्तुत किया जिसमे वर्तमान तिमाही में हुए कार्यक्रमों के बारे में बताया गया।

एजेंडा बिंदु No.4 तिमाही में राजभाषा हिंदी के प्रयोग पर चर्चा / Discussion on the use of Official Language in the quarter

श्री दिनेश कुमार ने इस तिमाही की मूल पत्राचार स्थिति से सबको अवगत करवाया वर्तमान तिमाही में हिन्दी में

- क-क्षेत्र को 91.8%
- ख-क्षेत्र को 90.2%
- ग-क्षेत्र को 95.7%

पत्र हिन्दी में भेजे गए। हिन्दी में 8 पत्र प्राप्त हुए। प्राप्त पत्रों के अनुसार कारवाई कर,पत्र फ़ाइल कर दिए गए

- किसी भी हिंदी पत्र का उत्तर अंग्रेजी में नहीं भेजा गया।
- इस तिमाही में 21 पृष्ठों में हिन्दी में और 12 पृष्ठ अंग्रेजी में फाइलों पर नोटिंग की गई |
- राजभाषा अधिनियम की धारा 3|3| के अंतर्गत जारी दस्तावेज़ पर चर्चा हुई और यह बताया गया कि तिमाही *में 14 दस्तावेज़* द्विभाषी में जारी किए गए |

एजेंडा बिंदु No.5 मुख्यालय तथा नराकस आदि से प्राप्त दिशा निर्देशों की जानकारी

श्री दिनेश कुमार ने समय समय पर मुख्यालय तथा नराकस आदि से प्राप्त राजभाषा हिन्दी के प्रयोग से संबंधित दिशा निर्देशों को सभी सदस्यों के सम्मुख प्रस्तुत किया और आग्रह किया कि सभी कर्मचारी इन पत्रों में दिए गए निर्देशों का अनुपालन करें | नाराकास द्वारा आयोजित छः माही बैठक में आभासी माध्यम से निदेशक महोदय ने भागीदारी की।

एजेंडा बिंदु No.6 प्रशिक्षण/कार्यशालाओं में राजभाषा हिन्दी का प्रशिक्षण

वर्तमान तिमाही में संस्थान में आभासी माध्यम से आयोजित कार्यशालाओं में राजभाषा हिन्दी का प्रशिक्षण दिया गया जिसमे प्रशिक्षणार्थियों को राजकीय कार्य राजभाषा हिन्दी में करने का आग्रह किया गया।

एजेंडा बिंदु No.7 अध्यक्ष द्वारा मार्गदर्शन

अध्यक्ष, सुश्री मीनाक्षी जैन, उपायुक्त,केविसं एवं निदेशक, शिक्षा एवं प्रशिक्षण आंचलिक संस्थान, मैसूर ने बैठक को संबोधित किया | वर्तमान तिमाही में राजभाषा कार्यों के समीक्षा के बाद हिन्दी पखवाड़ा का समापन भी किया उन्होंने कहा कि सभी कर्मचारी हिन्दी भाषा के प्रयोग, प्रचार व प्रसार के अपने प्रयास को जारी रखें। पत्राचार राजभाषा नियमानुसार होने चाहिए.

लिए गए निर्णय :

- ईमेल पत्राचार भी द्विभाषी होना चाहिए।
- निम्न कर्मचारियों को जांच बिन्दु बनाया गया:
  - प्रशासनिक पत्राचार की देखरेख **श्री बरुन कुमार झा** प्रशिक्षण सहयोगी (प्राथमिक) करेंगे।| इसके अनुपालन में वे प्रतिसप्ताह पत्राचार के आंकड़ों का जायजा लेंगे और आगामी सप्ताह के लिए योजना निर्धारित करेंगे |
  - प्रशिक्षण संबंधी पत्राचार की देखरेख **श्री धर्मेश कुमार सिंह** (पुस्तकालयाध्यक्ष) करेंगे। इसके अनुपालन में वे प्रतिसप्ताह पत्राचार के आंकड़ों का जायजा लेंगे और आगामी सप्ताह के लिए योजना निर्धारित करेंगे |
  - **श्री गोपाल कलसद** सहायक अनुभाग अधिकारी पत्रों के प्रेषण से पहले जांच करेंगे कि पत्रों का प्रेषण राजभाषा नियमानुसार हो रहा है। ईमेल से भेजे जा रहे पत्रों का भी ध्यान रखेंगे।
  - **श्री एस सनल कुमार** वरिष्ठ सचिवालय सहायक फ़ाइलों पर लिखी जाने वाली टिप्पणियों तथा कार्यालयों आदेशों की देखरेख करेंगे।

हिन्दी पखवाड़ा प्रतिवेदन

14.09.2024 से 30.09.2024

भारत देश विविधताओं का देश है। भाषा, संस्कृति वेश भूषा आदि के अद्भुत संगम की धरा है हमारा देश। इतनी विविधताओं के बाद भी हमारा देश एकता के सूत्र में बंधा हुआ है। हमारे देश की एकता का सूत्र हमारी समृद्ध संस्कृति है। इस समृद्धि को ताकत और एकता में बांधने का काम करती है हमारी भाषाएं। सभी भाषों को साथ लेकर और समृद्ध बना कर देश कों प्रगतिशील बनाने का कार्य कर रही है हिन्दी भाषा। जन जन की भाषा, सम्प्रेषण की भाषा, विज्ञान की भाषा, तकनीकि की भाषा। हिंदी भाषा का राजकीय कार्यों में अधिक से अधिक उपयोग हो इस निमित हर वर्ष सितंबर माह में हिन्दी दिवस के उपलक्ष में हिन्दी पखवाड़ा का आयोजन किया जाता हैं। इस वर्ष संस्थान में हिन्दी पखवाड़ा का आयोजन 14.09.2024 से 30.09.2024 तक किया गया। हिन्दी पखवाड़े के आयोजन के अंतर्गत संस्थान में विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया गया जैसे वर्ग पहेली, सुलेख लेखन,राजभाषा ज्ञान प्रतियोगिता,प्रशासनिक शब्दावली, निबंध लेखन, स्लोगन, मुहावरे अंत्याक्षरी आदि। आयोजित प्रतियोगिताओं के आधार पर प्रतिभागियों को पुरस्कृत भी किया गया।

नव नियुक्त स्नातकोत्तर शिक्षक (अंग्रेजी) के प्रवेषण प्रशिक्षण कार्यक्रम

केवीएस पत्र संदर्भ F.No के अनुपालन में। 11-एसीटीआरओएलटी/3/2023-एसी(टीआरजी)/1024-1053/डीटी 20.03.2024, नव नियुक्त स्नातकोत्तर शिक्षक (अंग्रेजी) के लिए पांच दिवसीय प्रवेषण प्रशिक्षण कार्यक्रम 01.07.2024 से 05.07.2024 तक संस्थान में आयोजित किया गया था। देश भर से 15 क्षेत्रों के कुल 55 प्रतिभागियों ने पाठ्यक्रम में भाग लिया।

केन्द्रीय विद्यालय संगठन के दिशानिर्देशों के अनुसार तथा जैसा कि एनईपी 2020 में परिकल्पित है, प्रशिक्षण के महत्वपूर्ण क्षेत्रों जैसे सामग्री संवर्धन, कक्षा लेनदेन रणनीतियों, योग्यता-आधारित शिक्षण और अधिगम, शिक्षाशास्त्र और सीखने के परिणाम, अनुभवात्मक सीखने, प्रभावी संचार कौशल, मूल्यांकन कौशल और छात्र विकास कौशल को तथा अंग्रेजी के शिक्षकों की शैक्षणिक उत्कृष्टता विकसित करने की दृष्टि से समान महत्व दिया गया था। तदनुसार, पाठ्यक्रम के प्रथम चरण में विषय-वस्तु संवर्धन और क्षमता आधारित शिक्षण-अधिगम, अधिगम परिणाम और अनुभवात्मक अधिगम को मुख्य विषय के रूप में शामिल किया गया था।

सुश्री मीनाक्षी जैन, निदेशक, आंचलिक शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान मैसूर और पाठ्यक्रम निदेशक, श्री विश्वनाथन के, उप प्राचार्य के वि ओट्टापलम, एर्नाकुलम क्षेत्र, स पाठ्यक्रम निदेशक के रूप में, संस्थान से श्री एम. राजेंद्रन, प्रशिक्षण सहयोगी (अंग्रेजी), पाठ्यक्रम समन्वयक के रूप में, श्री अपोलो अरुलराज, पीजीटी (अंग्रेजी), केवी विजयनारायणम, चेन्नई क्षेत्र और सुश्री गीतांजलि कुमार पीजीटी अंग्रेजी) केवी नंबर 1, कालीकट, एर्नाकुलम क्षेत्र ने संसाधक के रूप में अपनी अपनी महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन कर पाठ्यक्रम को सफल बनाया।

नए भर्ती हुए PGT(Eng)-LDCE के लिए 5-दिवसीय ऑनलाइन प्रवेषण प्रशिक्षण 9,16, 30 जुलाई और 13 और 28 अगस्त 2024 को आयोजित किया गया था। देश भर के 16 क्षेत्रों के कुल 55 प्रतिभागियों ने पाठ्यक्रम में भाग लिया।

एनईपी 2020 कक्षाओं सीखने के परिणाम प्राप्त करने के लिए योग्यता आधारित शिक्षा, भाषा खेल, माइंड मैपिंग, सहकारी शिक्षण, लेखन कौशल बढ़ाने के संदर्भ में सहकर्मी टीम से सीखने और सीखने के लिए कार्य अनुसंधान, भाषा सीखने में आईसीटी का एकीकरण, पठन कौशल विकसित करना, प्रभावी कक्षा प्रबंधन, सहयोगात्मक शिक्षण रणनीतियां और अंग्रेजी परियोजनाओं को डिजाइन करना जैसे विषयों पर चर्चा की गई।

मीनाक्षी जैन, निदेशक, जीट मैसूर और पाठ्यक्रम निदेशक, श्री विश्वनाथन के, उप प्राचार्य केवी ओट्टापालम, एर्नाकुलम क्षेत्र सह पाठ्यक्रम निदेशक के रूप में, श्री एम. राजेंद्रन, ट्रेनिंग एसोसिएट (इंग्लिश), कोर्स समन्वयक के रूप में, श्री अपोलो अरुलराज, पीजीटी (अंग्रेजी), केवी विजयनारायणम, चेन्नई क्षेत्र और सुश्री गीतांजलि कुमार पीजीटी (अंग्रेजी) केवी नंबर 1 कालीकट एर्नाकुलम क्षेत्र ने संसाधक के रूप में काम किया।

रसायन विज्ञान स्नातकोत्तर शिक्षकों के लिए 10 - दिवसीय प्रवेषण प्रशिक्षण

केन्द्रीय विद्यालय संगठन के पत्र संदर्भ F.No 11-ACTROLtr / 3 / 2023-AC(TRG)/1024-1053/dt 20.03.2024, के अनुपालन में नए भर्ती पीजीटी (रसायन विज्ञान) के लिए 5-दिवसीय प्रवेषण प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन संस्थान में 08.07.2024 से 12.07.2024 तक तथा 5-दिवसीय आभासी माध्यम से 09.08.2024,27.08.2024,06.09.2024,12.09.2024 तथा 27.09.2024 तक किया गया था। कार्यक्रम में 15 संभागों से कुल 58 पीजीटी आवंटित किए गए थे। 52 पीजीटी ने फेस टू फेस मोड में कोर्स के पहले तथा दूसरे चरण में भाग लिया। सुश्री मीनाक्षी जैन, उपायुक्त केवीएस और निदेशक आंचलिक शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान मैसूरु पाठ्यक्रम के लिए पाठ्यक्रम निदेशक थे और श्री ज्योति मोहन एन वी प्रिंसिपल केवी आरबी कोट्टायम सह पाठ्यक्रम निदेशक थे। श्री शिबू जॉन पीजीटी (रसायन) केवी कोल्लम और श्रीमती शैला पी पीजीटी (रसायन), केवी पोर्ट ट्रस्ट, कोच्चि पाठ्यक्रम के लिए संसाधन व्यक्ति थे। पाठ्यक्रम केवीएस (मुख्यालय) नई दिल्ली से प्राप्त पाठ्यक्रम डिजाइन और समय सारणी के अनुसार संस्थान में आयोजित किया गया था।

प्रशिक्षण कार्यक्रम के पहले चरण के दौरान पाठ्यक्रम के अलावा निम्नलिखित बिंदुओं पर चर्चा की गई

- योग्यता आधारित पाठ योजना
- मूल्यांकन और आकलन के सिद्धांत
- ग्यारहवीं और बारहवीं कक्षा के लिए सीबीएसई पाठ्यक्रम
- लैब गतिविधियाँ
- समावेशी शिक्षा की आवश्यकता
- अनुभवात्मक अधिगम
- एनईपी-2020 के अनुसार शिक्षक की भूमिका

जीट मैसूर में 01.08.2024 और 07.08.2024 को TGT (P&HE) के लिए दो दिवसीय ऑनलाइन इंडक्शन कोर्स

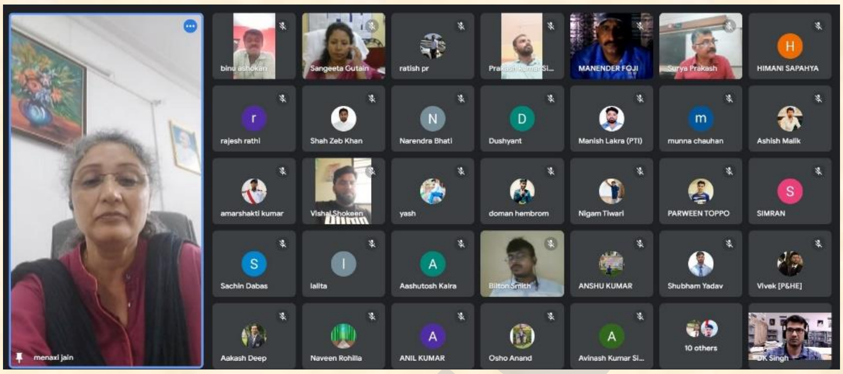

जीट मैसूर में टीजीटी शारीरिक एवं स्वास्थ्य शिक्षा के लिए दो दिन की (01.08.2024 से 07.08.2024) को ऑनलाइन कार्यशाला, 5 दिवसीय ऑफ़लाइन कार्यशाला के क्रम में शुरू हुई जिसमे कुल 48 टीजीटी (पी एंड एचई) प्रतिभागियों ने भाग लिया । यह दो दिन पूरी तरह से चिंतनशील प्रैक्टिस की प्रस्तुति पर समर्पित था एसीडी श्रीमती संगीता गुटेन ने बैठक को संबोधित किया, इसके बाद श्री सूर्य प्रकाश आरपी ने सत्र लिया। प्रतिभागियों द्वारा ऑफ़लाइन कार्यशाला के पश्चात अपने विद्यालयों में क्या कार्य किया/ लागू किया हैं पर आधारित था । पाठ्यक्रम निदेशक सुश्री मीनाक्षी जैन मैम ने चिंतनशील सत्र के सफल आयोजन के लिए सभी को धन्यवाद ज्ञापित किया। अंततः सभी सत्र बहुत इंटरैक्टिव, प्रभावी और सफल रहा ।

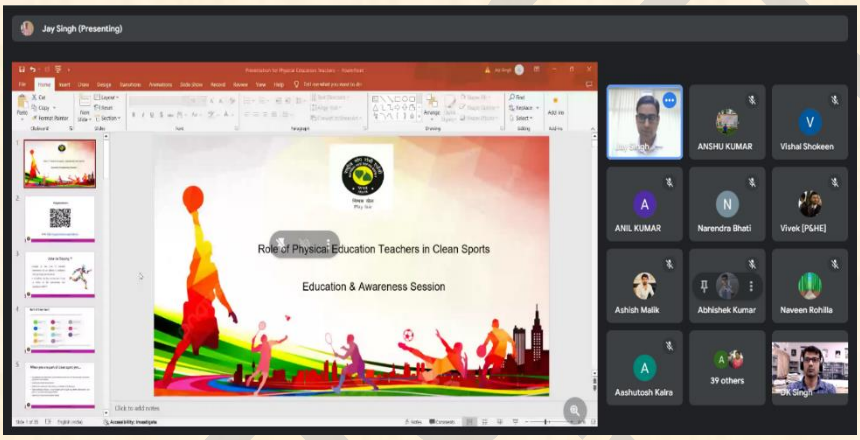

21 वीं सदी कौशल विकास

संस्थान द्वारा आभासी माध्यम से 21 वीं सदी कौशल विकास विषय पर तीन तीन दिवसीय 12 कार्यशालाओं का आयोजन किया गया। जिसमे 4 संभागों से विभिन्न विषयों के प्रशिक्षित स्नातक शिक्षकों ने भाग लिया। 180 प्रतिभागी चेन्नई से,180 हैदराबाद संभाग से तथा 180 बेंगलुरू संभाग से थे। कार्यशाला का आयोजन क्षमता संवर्धन, वर्तमान परिदृश्य की विकट समस्याओं का सामना, जीवन मूल्यों तथा अपने कर्तव्यों का सच्ची श्रद्धा एवं निष्ठा से निर्वहन करने तथा शिक्षण अधिगम के उद्देश्यों को प्रभावी ढंग से प्राप्त करने के लिए किया गया। कार्यशाला में सुश्री मीनाक्षी जैन निदेशक आंचलिक शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान मैसूर ने पाठ्यक्रम निदेशक तथा श्री पी सेलवामनी ने मुख्य समन्वयक के रूप में कार्य किया।

क्र सं	संभाग	सह निदेशक	संसाधक
1.	चेन्नई	श्री लक्ष्मी नारायणन ,प्राचार्य के वि विरुद्ध नागर	श्री जीनेश सेबास्टियन पी जी टी अंग्रेजी ,के वि कोयंबटूर श्रीमती ज्योति पी जी टी के वि मिनम्बक्कम
2	हैदराबाद	श्री हरी प्रसाद प्राचार्य के वि घटकेशर	श्रीमती शेषा प्रसाद उप प्राचार्य हकीमपेट श्रीमती पद्मजा रत्नाकर,पी जी टी अंग्रेजी के वि पिकेट
3	बेंगलुरू	श्रीमती रुबीना एम आर	श्रीमती बीना मैथ्यू , पी जी टी अंग्रेजी के वि एम जी रेल्वे बेंगलुरू श्रीमती एलिजाबेथ पी जी टी अंग्रेजी के वि हेबल बेंगलुरू

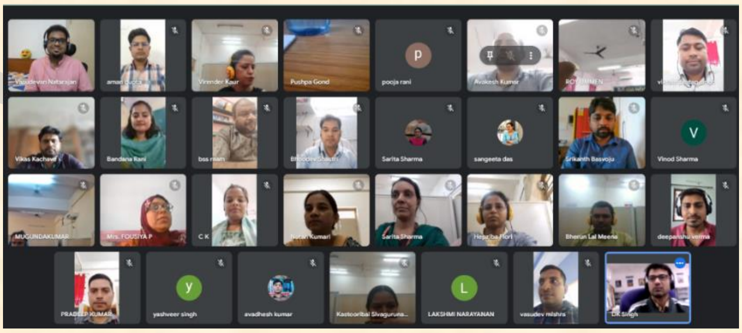

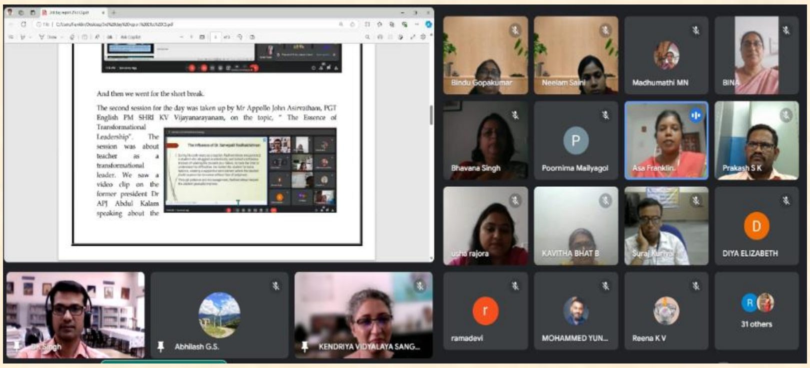

21st CENTURY SKILLS (HYDERABAD REGION BATCH 2

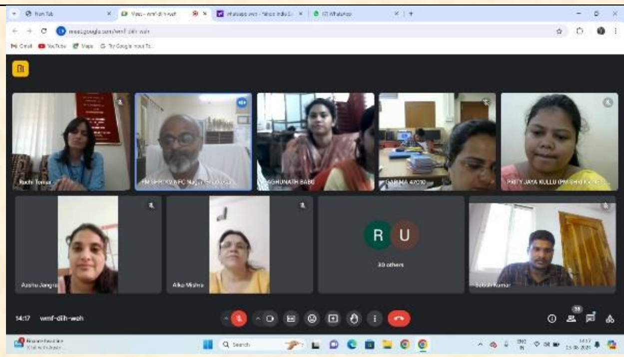

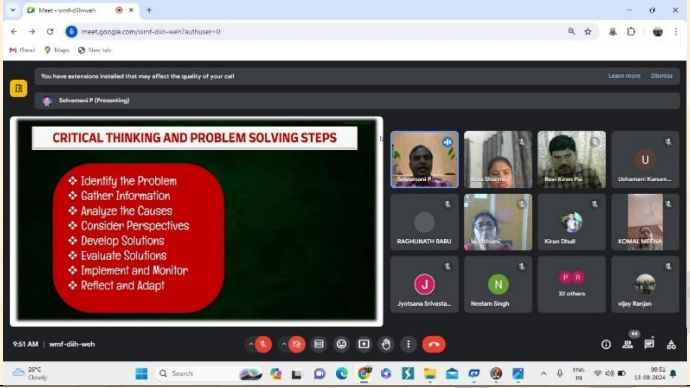

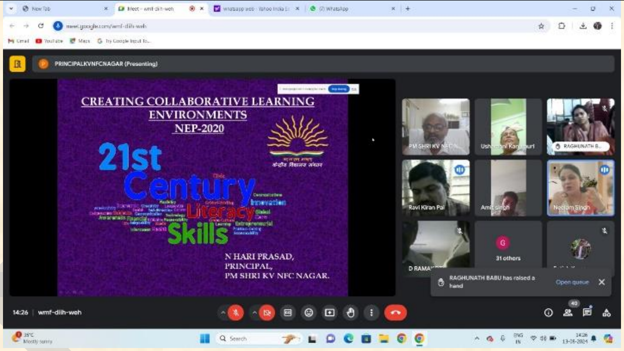

ZIET मैसूर में GPIA के लिए क्षमता निर्माण कार्यक्रम पर 3 दिवसीय कार्यशाला पर रिपोर्ट

केवीएस मुख्यालय द्वारा 22-07-2024 से 24-07-2024 तक जेडआईईटी मैसूर में आंतरिक लेखा परीक्षकों के सामान्य पूल के लिए क्षमता संवर्धन कार्यक्रम का आयोजन किया। पांच संभागों अर्थात एर्नाकुलम, चेन्नई, बेंगलुरु, हैदराबाद और रांची के कुल 56 प्रतिभागियों ने इसमें भाग लिया। प्रशिक्षण कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुई। समन्वयक श्री डी के सिंह ने सभी का स्वागत किया। सत्य नारायण गुलिया, संयुक्त आयुक्त, वित्त, केवीएस मुख्यालय, सुश्री

मीनाक्षी जैन, निदेशक, जेडआईईटी मैसूर और श्री संजय कुमार, उपायुक्त, वित्त, केवीएस मुख्यालय, ने दीप प्रज्वलन एवं केवीएस प्रार्थना के साथ कार्यक्रम की शुरुवात की तथा विभिन्न सत्रों के दौरान महावपूर्ण जानकारी साझा की। अंत में, तीन दिवसीय जीपीआईए कार्यशाला श्री सत्य नारायण गुलिया, संयुक्त आयुक्त द्वारा मुख्य भाषण के साथ सफलतापूर्वक समाप्त हुई।

नव नियुक्त प्राचार्यों का प्रवेषण प्रशिक्षण

नव नियुक्त प्राचार्यों के प्रवेषण प्रशिक्षण के द्वितीय चरण में आभासी माध्यम से 04.07.24, 26.07.24, 29.07.24, 09.08.24, 23.08.24 तथा 30 अगस्त 2024 को आधे आधे दिन के सत्र आयोजित किए गए। कार्यशाला में सुश्री मीनाक्षी जैन पाठ्यक्रम निदेशक, श्री पी सी तिवारी सहायक आयुक्त

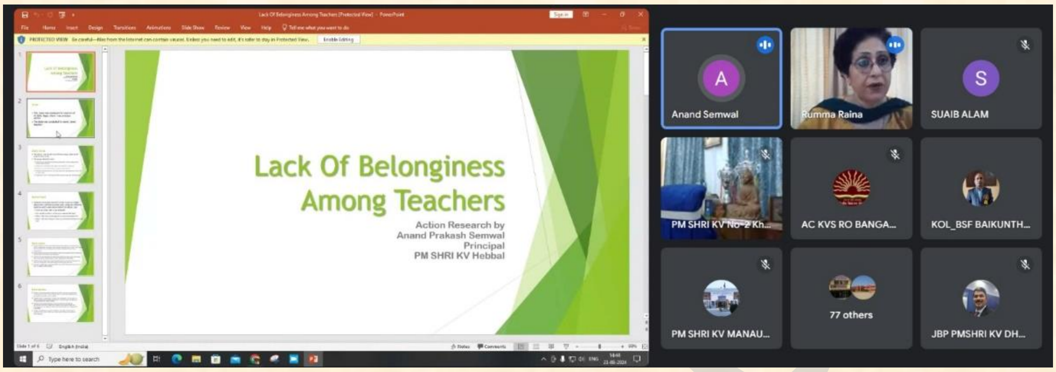

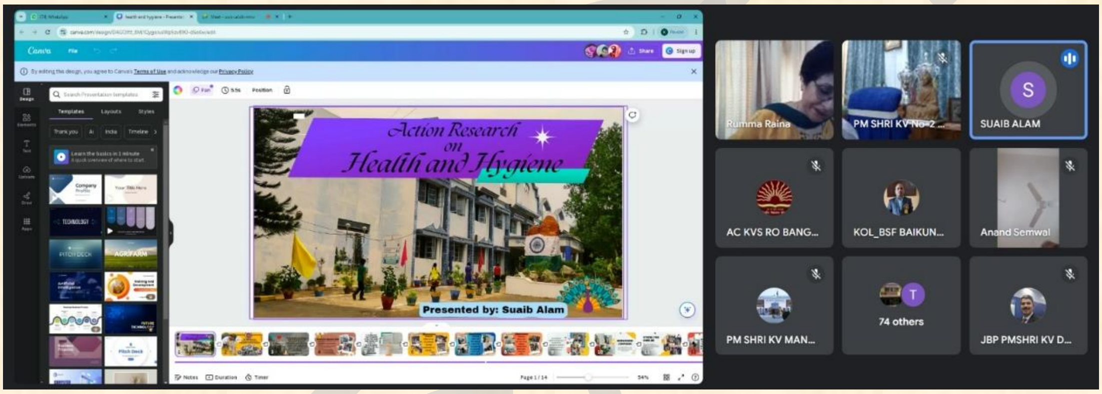

चंडीगढ़ संभाग तथा श्रीमती हेमा के सहायक आयुक्त बेंगलुरू संभाग सह निदेशक, श्री के पी सुधाकरण प्राचार्य के वि कासरगोद तथा श्री ज्योति मोहन प्राचार्य के वि आर बी कोट्टायम संसाधक तथा श्री पी सेलवामनी एवं श्रीमती रमा रैना समन्वयक के रूप में काम किया। कार्यशाला में 100 नव नियुक्त प्राचार्यों ने भाग लिया।

कार्यशाला में बाल अधिकार, पॉक्सो अधिनियम 2012; PoSH अधिनियम 2013, ICC नियम, एक्शन रिसर्च आदि पर चर्चा की गई। कार्यशाला ने महत्वपूर्ण नीतिगत चर्चाओं के साथ अनुसंधान प्रस्तुतियों को सफलतापूर्वक एकीकृत किया, जिससे प्राचार्यों की क्षमता निर्माण और पेशेवर कौशल में वृद्धि हुई।

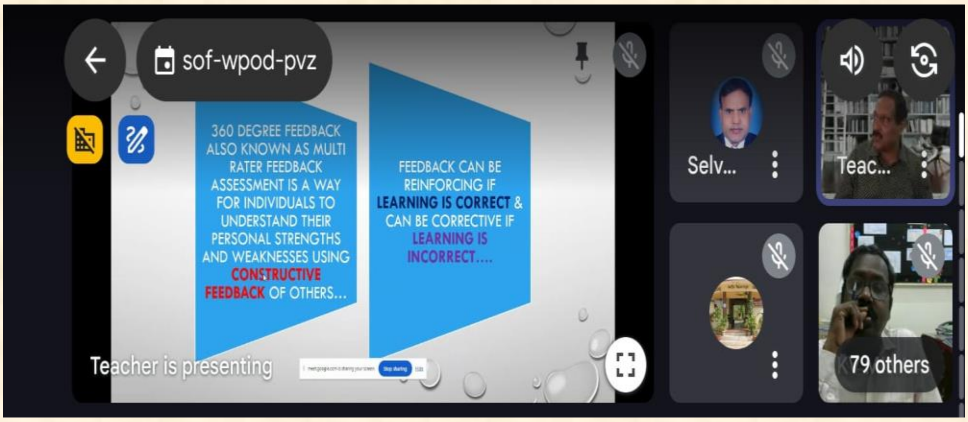

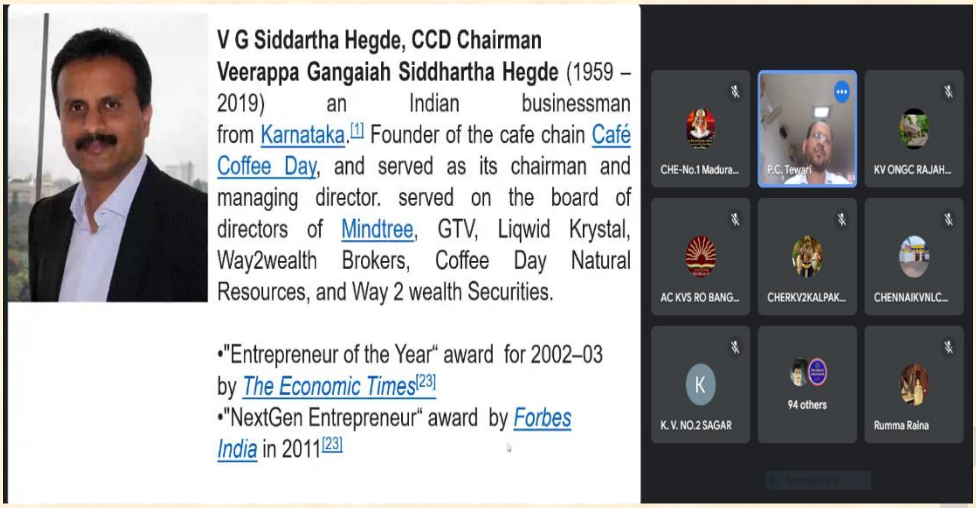

नए भर्ती किए गए प्राचार्यों (डीआर और एलडीसीई) के प्रवेषण कोर्स के लिए जुलाई और अगस्त 2024 के महीनों के दौरान छह आधे दिन के सत्र आयोजित किए गए। एसीडी, आरपी और प्रतिभागियों के बीच विशेषज्ञों ने निम्न विषयों पर सत्र लिए :

- "केवीएस ऑनलाइन पर्यवेक्षण उपकरण (पीआईएमएस) स्थिति रिपोर्ट'

• शिक्षकों और स्कूल नेताओं को सशक्त बनाना: सभी के लिए मानसिक स्वास्थ्य और कल्याण को बढ़ावा देना

• समग्र और 360-डिग्री मूल्यांकन

• योग्यता-आधारित मूल्यांकन-SAFAL, SQUAAF

- • GeM के माध्यम से खरीद
- • योग्यता-आधारित शिक्षा और एफएलएन स्थिति रिपोर्ट प्रस्तुति
- • एक अनुदेशक नेता बनना: स्कूल सुधार के लिए डेटा का विश्लेषण करना
- • बाल अधिकार, POCSO अधिनियम 2012; पीओएसएच अधिनियम 2013, आईसीसी।
- इन सत्रों के अलावा, प्रतिभागियों ने अपने संबंधित विद्यालयों में उनके द्वारा किए गए कार्य की अनुसंधान परियोजनाओं को भी प्रस्तुत किया।

पी जी टी अंग्रेजी के लिए एन ई पी 2020 के अनुसार दक्षता आधारित कक्षा कक्ष पाठ्यचर्या सम्प्रेषण

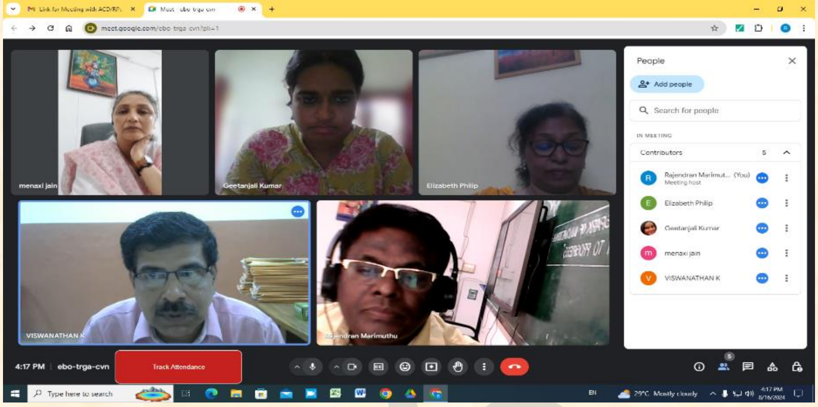

संस्थान द्वारा पीजीटी अंग्रेजी के लिए परीक्षण वस्तुओं के निर्माण तथा एनईपी 2020 के अनुसार 'योग्यता आधारित पाठ्यक्रम लेनदेन' पर 3-दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला 20 से 22 अगस्त 2024 तक आयोजित की गई थी। चार क्षेत्रीय कारीलयों बैंगलोर, चेन्नई, एर्नाकुलम और हैदराबाद के कुल 32 प्रतिभागियों ने पाठ्यक्रम में भाग लिया।

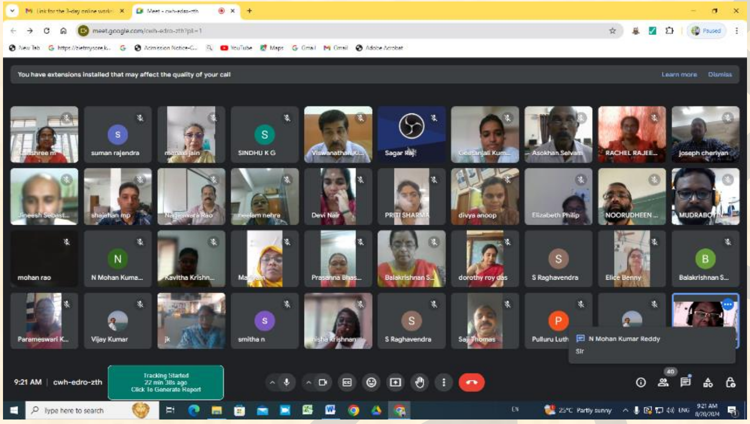

कार्यशाला के महत्वपूर्ण क्षेत्रों अर्थात् एनईपी 2020 में निहित योग्यता आधारित शिक्षा के सिद्धांत, योग्यता आधारित शिक्षण तथा पारंपरिक तरीके, दक्षता आधारित पाठ योजना, रचनात्मक लेखन कौशल के संदर्भ में सीखने के परिणामों को प्राप्त करने के लिए योग्यता आधारित शिक्षण, एनईपी 2020/सीबीए टेस्ट आइटम के अनुसार माध्यमिक कक्षाओं के लिए मूल्यांकन तकनीक, भाषा कक्षा और सीखने के परिणामों के लिए योग्यता आधारित कार्यों को डिजाइन करना, प्रभावी प्रतिक्रिया तंत्र विकसित करना, भाषा सीखने में आईसीटी का एकीकरण, सीखने के उद्देश्य और सीखने के परिणाम और परियोजना कार्य अंग्रेजी के शिक्षकों की व्यावसायिक उत्कृष्टता विकसित करने की दृष्टि से केंद्रित थे। मीनाक्षी जैन, निदेशक, जीट मैसूर और पाठ्यक्रम निदेशक, श्री विश्वनाथन के, उप प्राचार्य केवी ओट्टापालम, एर्नाकुलम क्षेत्र सह पाठ्यक्रम निदेशक के रूप में, श्री एम. राजेंद्रन, ट्रेनिंग एसोसिएट (इंग्लिश), कोर्स समन्वयक के रूप में, श्री अपोलो अरुलराज, पीजीटी (अंग्रेजी), केवी विजयनारायणम, चेन्नई क्षेत्र और सुश्री गीतांजलि कुमार पीजीटी (अंग्रेजी) केवी नंबर 1 कालीकट एर्नाकुलम क्षेत्र ने संसाधक के रूप में काम किया।

3-दिवसीय विज्ञान में क्षमता आधारित मूल्यांकन: परीक्षण प्रश्नों का निर्माण

संस्थान द्वारा "विज्ञान में योग्यता आधारित मूल्यांकन: परीक्षण वस्तुओं का निर्माण "विषय पर 3 दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला का आयोजन 31.07.2024 से 02.08.2024 तक किया गया था। कार्यशाला में सुश्री मीनाक्षी जैन निदेशक आंचलिक शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान मैसूर पाठ्यक्रम निदेशक तथा श्री मनोज कुमार पालीवाल प्राचार्य के वि क्र 1 मदुरै ने सह पाठ्यक्रम निदेशक के रूप में कार्य कर सभी का मार्गदर्शन किया। कार्यशाला में श्रीमती सीमा सारस्वत, टी जी टी (विज्ञान), के वि विजय पुरा और श्रीमती नीता वागे , टी जी टी (विज्ञान), के वि हेब्बल, बेंगलुरु क्षेत्र संसाधक थे। कार्यशाला में चार क्षेत्रों के कुल 30 प्रतिभागियों ने भाग लिया। उद्घाटन केवीएस प्रार्थना के साथ शुरू हुआ। श्री दिनेश कुमार, प्रशिक्षण सहयोगी (भौतिकी), कार्यशाला के समन्वयक ने सभी का स्वागत किया।

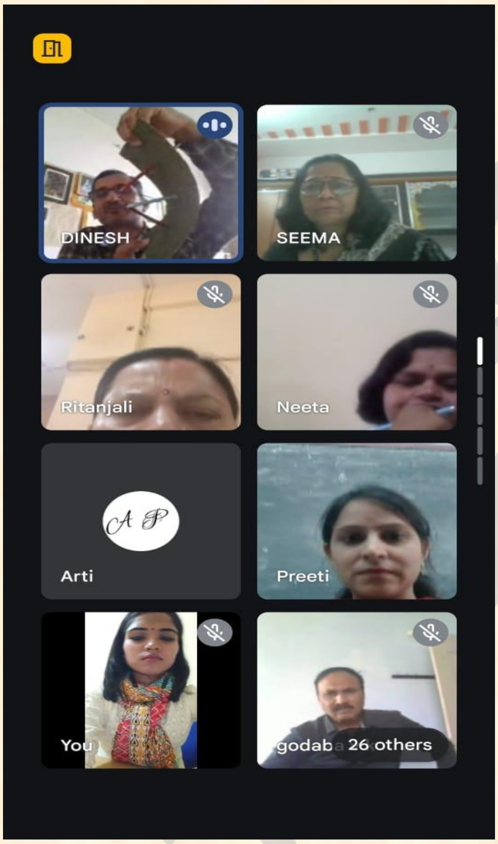

श्री मनोज कुमार पालीवाल, प्रिंसिपल केवी क्र 1 मदुरै ने पाठ्यक्रम के उद्देश्यों को प्रस्तुत किया। उन्होंने विज्ञान शिक्षण में योग्यता आधारित शिक्षा के महत्व को समझने की आवश्यकता और इसे अपनाने की आवश्यकता पर जोर दिया। सुश्री मीनाक्षी जैन, निदेशक, ने अपने मुख्य भाषण में योग्यता-आधारित शिक्षा पर जोर दिया। उन्होंने इस तथ्य पर भी जोर दिया कि छात्रों को विज्ञान इस तरह से प्रदान किया जाना चाहिए जिससे छात्रों में वैज्ञानिक स्वभाव विकसित हो सके। छात्रों में नैतिकता और मूल्यों को प्रदान करने के लिए मैडम ने विज्ञान और समाज के प्रति उनके योगदान के साथ-साथ भारतीय वैज्ञानिकों के चित्रों को प्रदर्शित करने का सुझाव दिया।

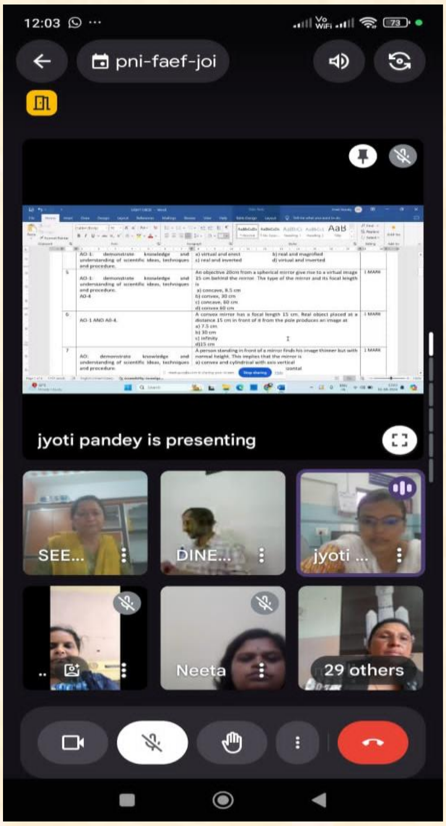

सुश्री सीमा सारस्वत और सुश्री नीता ने प्रतिभागियों को सीखने के परिणामों, परीक्षण वस्तुओं को डिजाइन करने के सिद्धांतों और विभिन्न दक्षताओं के बारे में समझाया। कार्यशाला को वैज्ञानिक स्वभाव बढ़ाने और उनकी दक्षताओं को विकसित करने के लिए डिज़ाइन किया गया था। छात्रों के बीच वैज्ञानिक स्वभाव विकसित करने और उन्हें महत्वपूर्ण और रचनात्मक विचारक बनाने के लिए, गतिविधि आधारित, अनुभवात्मक सीखना और करके सीखना आदि तकनीकों के बारे में भी बताया।

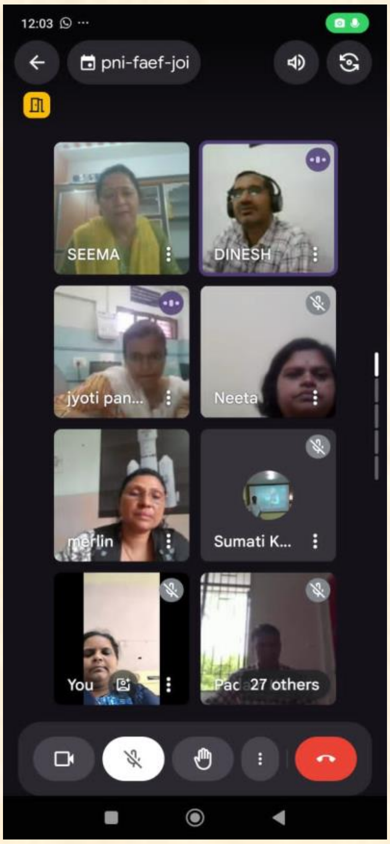

उप प्राचार्य प्रवेषण प्रशिक्षण पर संक्षिप्त रिपोर्ट

नव नियुक्त उप प्राचार्यों के लिए 12 दिवसीय प्रवेषण प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन दो चरणों में आयोजित किया गया। प्रथम चरण फरवरी 2024 में संस्थान में व्यक्तिगत रूप में 05.02.2024 से 10.02.2024 तक आयोजित किया गया। द्वितीय चरण आभासी माध्यम में आयोजित किया गया । जो वर्तमान तिमाही में दिनांक

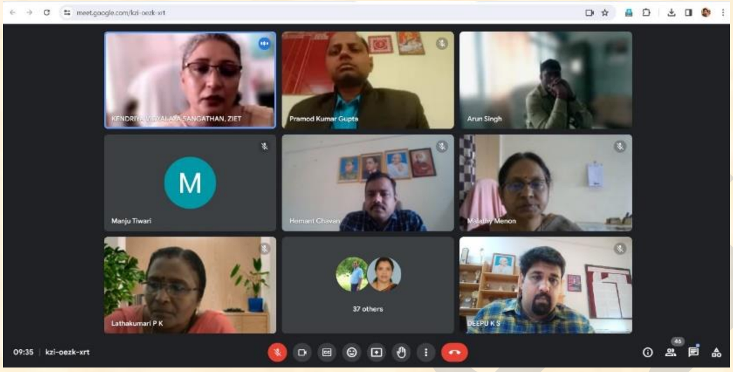

06.06.2024 तथा 11.07.2024 को आयोजित हुआ। समय सारिणी के अनुसार क्रियात्मक खोज , समेकित शिक्षा तथा विभिन्न प्रशासनिक विषयों पर चर्चा की गई। संसाधकों ने केन्द्रीय विद्यालय में दाखिला प्रक्रिया पर विस्तार में चर्चा की। राष्ट्रीय पाठ्यचर्या 2023 पर भी चर्चा की गई

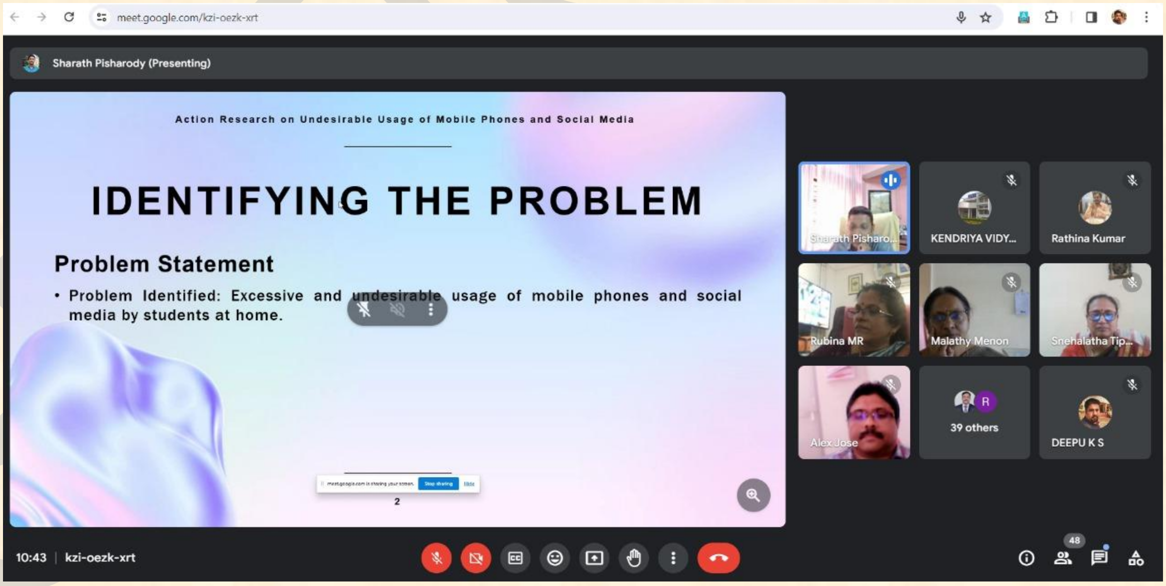

स्नातकोत्तर शिक्षक (गणित) प्रवेषण प्रशिक्षण द्वितीय चरण

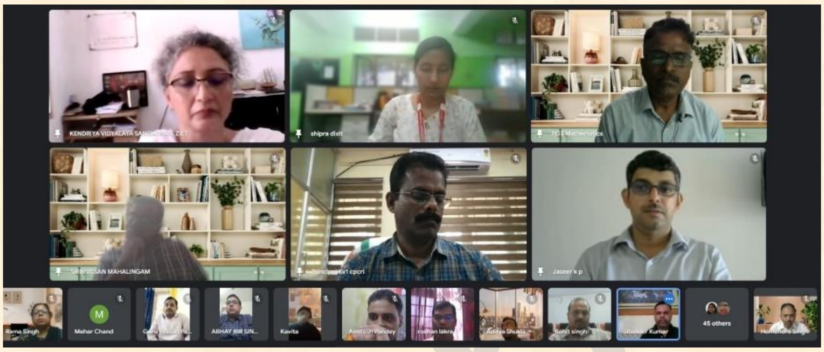

स्नातकोत्तर शिक्षक (गणित) प्रवेषण प्रशिक्षण द्वितीय चरण दिनांक 09.07.2024, 26.07.2024, 12.08.2024, 28.08.2024, तथा 10.09.2024 को आभासी माध्यम से आयोजित किया गया। द्वितीय चरण में क्रियात्मक खोज , 21 वीं सदी के कौशल, गणित प्रयोगशाला गतिविधि, pocso , posh कृत्रिम बुद्धिमत्ता स्टॉक प्रबंधन, खरीद,निरस्तीकरण प्रक्रिया आदि विषयों के साथ साथ GeM पोर्टल पर भी विस्तार से चर्चा की गई। निदेशक महोदय के अभिभाषण के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ

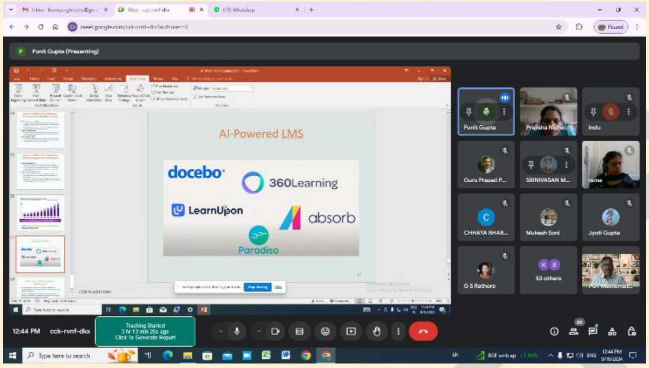

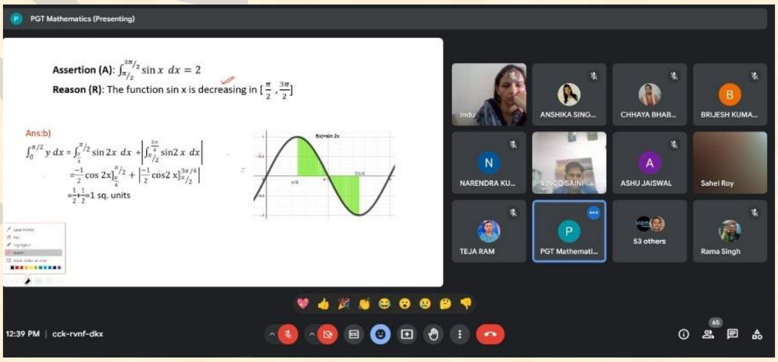

3- दिवसीय गणित प्रयोगशाला गतिविधि तथा संसाधन सामग्री का संवर्धन

कार्यशाला का आयोजन दिनांक 20.08.2024 से 22.08.2024 तक आभासी माध्यम से किया गया। सुश्री मीनाक्षी जैन निदेशक आंचलिक शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान मैसूर , उक्त कार्यशाला की पाठ्यक्रम निदेशक थी। श्री अजिमोन ए चेलमकोट प्राचार्य केन्द्रीय विद्यालय इदुकी सह पाठ्यक्रम निदेशक , श्री एम श्रीनिवासन पी जी टी (गणित) के वि अशोक नगर तथा श्री जसीर के पी पी जी टी (गणित) के वि मंगलोर ने संसाधक के रूप में काम किया। कार्यशाला में चार संभाग से 31 प्रतिभागियों ने अपना ज्ञान संवर्धन किया

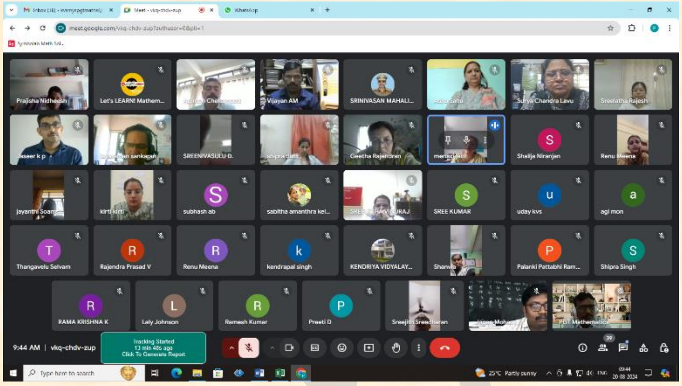

सुश्री मीनाक्षी जैन, निदेशक, जेडआईईटी मैसूर ने अपने मुख्य भाषण में जोर देकर कहा कि गणित में वैचारिक स्पष्टता गतिविधियों के माध्यम से प्राप्त की जा सकती है, और गणित प्रयोगशाला गतिविधियां सैद्धांतिक सीखने से परे

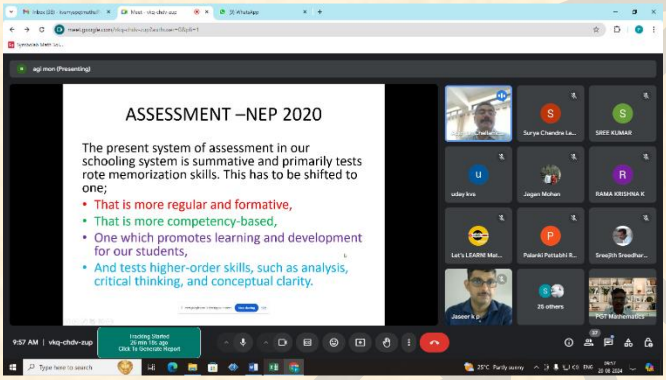

गणितीय अवधारणाओं का पता लगाने के लिए व्यावहारिक अनुभव प्रदान करती हैं। श्री अगिमोन ए चेलामकॉट ने पाठ्यक्रम के उद्देश्य और उद्देश्य प्रस्तुत किए। उन्होंने एनईपी 2020 में परिकल्पित गणित शिक्षण के उद्देश्यों के बारे में विस्तार से बताया। रटकर सीखने से वैचारिक सीखने की ओर शैक्षणिक बदलाव केवल गतिविधियों की उचित योजना के माध्यम से संभव है

श्री एम. श्रीनिवासन, पीजीटी (गणित), केवी अशोक नगर ने गणित प्रयोगशाला स्थापित करने के लिए सीबीएसई, एनसीईआरटी और केवीएस द्वारा प्रदान किए गए दिशानिर्देशों के साथ-साथ केवीएस द्वारा निर्धारित बेंचमार्क पर चर्चा की। उन्होंने गणित शिक्षा में आईसीटी उपकरणों के उपयोग की व्याख्या की और एनईपी 2020 के हिस्से के रूप में कक्षा लेनदेन में मल्टीमीडिया संसाधनों और उनके प्रकारों का उपयोग करने के महत्व पर

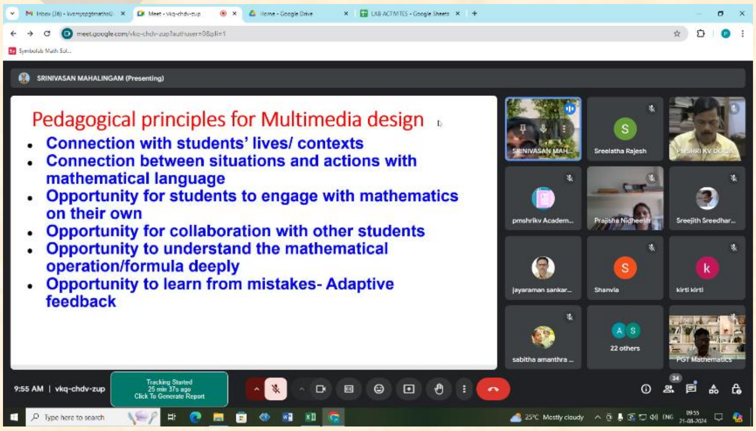

जोर दिया। उन्होंने विभिन्न ओपन एजुकेशनल रिसोर्सेज (ओईआर) वेबसाइटों, जैसे एनआरओईआर, यूनेस्को समर्थित समावेशी शिक्षा, दीक्षा और क्लिक्स ओईआर पर भी प्रकाश डाला। अंशों पर कुछ संसाधन, जैसे पुलिस क्वाड गेम, पीएचईटी सिमुलेशन और गेम्स, क्लिक्स इंटरैक्टिव अभ्यास, टॉय थियेटर और जियोजेब्रा का भी उल्लेख किया गया था

3 दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला गणित में योग्यता आधारित मूल्यांकन: परीक्षण वस्तुओं का निर्माण

ZIET मैसूर द्वारा 31.07.2024 से 02.08.2024 तक "गणित में योग्यता-आधारित मूल्यांकन: परीक्षण वस्तुओं का निर्माण " पर तीन दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला आयोजित की गई। श्री सिबी सेबेस्टियन, प्रिंसिपल, पीएम श्री केवी, आईएनएस द्रोणाचार्य, एर्नाकुलम क्षेत्र, ने सह पाठ्यक्रम निदेशक के रूप में काम किया, और श्रीमती पीएस कविता, टीजीटी (गणित), केवी डीआरडीओ, बेंगलुरु क्षेत्र, श्री एमएस कुमार स्वामी, टीजीटी (गणित), केवी गाचीबोवली, हैदराबाद क्षेत्र ने संसाधक के रूप में काम किया। श्री डी. श्रीनिवासुलु , टीए (गणित) ने निदेशक द्वारा दिए गए निर्देशों के अनुसार कार्यशाला का समन्वय किया। कार्यशाला में चार फीडर क्षेत्रों (बेंगलुरु, हैदराबाद, एर्नाकुलम और चेन्नई) के कुल 32 प्रतिभागियों ने भाग लिया। उद्घाटन केवीएस प्रार्थना गीत के साथ शुरू हुआ, और श्री डी. श्रीनिवासुलु, प्रशिक्षण सहयोगी (गणित), जेडआईईटी मैसूर, और कार्यशाला के समन्वयक ने सभी का स्वागत किया।

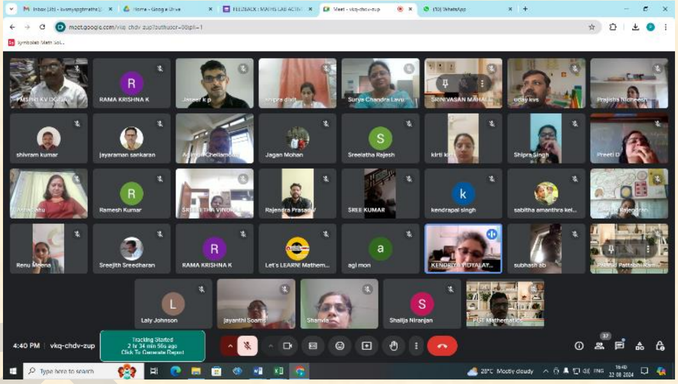

सुश्री मीनाक्षी जैन, निदेशक, जेडआईईटी मैसूर ने अपने मुख्य भाषण में योग्यता-आधारित शिक्षा और योग्यता-आधारित मूल्यांकन के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने जोर देकर कहा कि गणित को इस तरह से पढ़ाया जाना चाहिए जो छात्रों को समस्याओं को हल करने में मदद करे और उन्हें वास्तविक जीवन की स्थितियों से संबंधित करे।

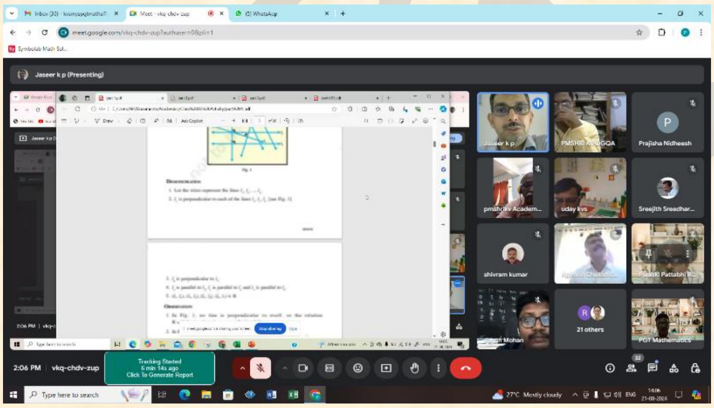

श्री एम. एस. कुमार स्वामी, संसाधक, ने गणित में योग्यता-आधारित शिक्षा और मूल्यांकन के बारे में बताया। उन्होंने बहु-उपयोग आकलन और सामग्री-विशिष्ट आकलन सहित रचनात्मक मूल्यांकन गतिविधियों पर चर्चा की। सभी वर्गों के लिए विभिन्न गतिविधियों पर चर्चा की गई। कला-एकीकृत परियोजनाओं को वीडियो के माध्यम से भी प्रस्तुत किया गया था, जिसमें सर्पिल जड़ गतिविधियों जैसी कई परियोजनाओं को प्रदर्शित किया गया था और पेपर-फोल्डिंग विधि का उपयोग करके त्रिकोण की ऊंचाई का निर्धारण किया गया था, जिसका उद्देश्य छात्रों की अवधारणाओं की समझ का आकलन करना था। उन्होंने एक उपकरण के रूप में रचनात्मक मूल्यांकन के महत्व पर जोर दिया जो तत्काल प्रतिक्रिया प्रदान करता है।

3-दिवसीय भौतिकी में क्षमता आधारित मूल्यांकन परीक्षण प्रश्नों का निर्माण

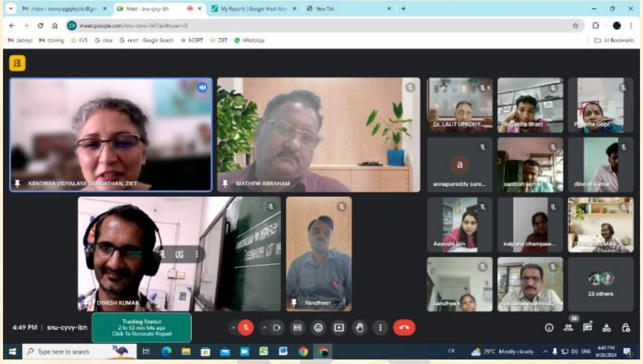

संस्थान द्वारा "भौतिकी में योग्यता आधारित मूल्यांकन: परीक्षण वस्तुओं का निर्माण "विषय पर 3 दिवसीय ऑनलाइन कार्यशाला का आयोजन 24.09.2024 से 26.09.2024 तक किया गया था। कार्यशाला में सुश्री मीनाक्षी जैन निदेशक आंचलिक शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान मैसूर पाठ्यक्रम निदेशक तथा श्री मैथ्यू अब्राहम प्राचार्य के वि कोंन्नी ने सह पाठ्यक्रम निदेशक के रूप में कार्य कर सभी का मार्गदर्शन किया। कार्यशाला में श्री रणधीर वन्नेरी

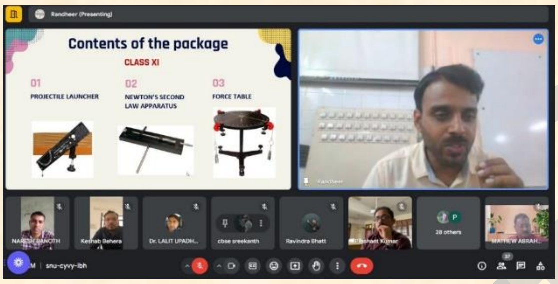

केन्द्रीय विद्यालय पलक्कड संसाधक थे। कार्यशाला में चार क्षेत्रों के कुल 33 प्रतिभागियों ने भाग लिया। उद्घाटन केवीएस प्रार्थना के साथ शुरू हुआ। श्री दिनेश कुमार, प्रशिक्षण सहयोगी (भौतिकी), कार्यशाला के समन्वयक ने सभी का स्वागत किया।

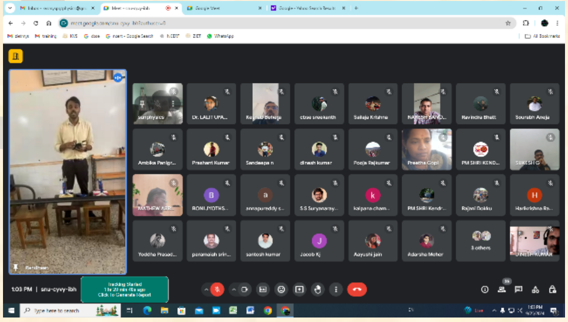

श्री मैथ्यू अब्राहम प्राचार्य के वि कोंन्नी पाठ्यक्रम के उद्देश्यों को प्रस्तुत किया। उन्होंने भौतिकी शिक्षण में योग्यता आधारित शिक्षा के महत्व को समझने की आवश्यकता और इसे अपनाने

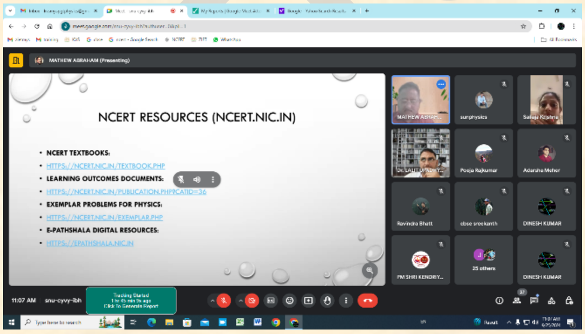

की आवश्यकता पर जोर दिया। सुश्री मीनाक्षी जैन, निदेशक, ने अपने मुख्य भाषण में योग्यता-आधारित शिक्षा पर जोर दिया। उन्होंने इस तथ्य पर भी जोर दिया कि छात्रों को विज्ञान इस तरह से प्रदान किया जाना चाहिए जिससे छात्रों में वैज्ञानिक स्वभाव विकसित हो सके। छात्र के बीच नैतिकता और मूल्यों को प्रदान करने के लिए मैडम ने विज्ञान और समाज के प्रति उनके योगदान के साथ-साथ भारतीय वैज्ञानिकों के चित्रों को प्रदर्शित करने का सुझाव दिया।

श्री रणधीर वन्नेरी ने सीखने के परिणामों, परीक्षण वस्तुओं को डिजाइन करने के सिद्धांतों और विभिन्न दक्षताओं के बारे में समझाया। कार्यशाला को वैज्ञानिक स्वभाव बढ़ाने और उनकी दक्षताओं को विकसित करने के लिए डिज़ाइन किया गया था। छात्रों के बीच वैज्ञानिक स्वभाव विकसित करने और उन्हें महत्वपूर्ण और रचनात्मक विचारक बनाने के लिए, गतिविधि आधारित, अनुभवात्मक सीखना और करके सीखना आदि तकनीकों के बारे में भी बताया।

ENGLISH SECTION

आकांक्षित -6

REPORT ON THE 5-DAY ONLINE INDUCTION COURSE FOR PGT(ENG) -LDCE

The 5-day online Induction Course for newly recruited PGT(Eng)-LDCE was conducted on 9th,16th 30th July and 13th & 28th August 2024. A total of 55 participants from 16 Regions across the country attended the Course.

The topics namely Competency based Education to achieve learning outcomes.in NEP 2020 classrooms, Language Games, Mind mapping, Cooperative Learning creating tasks and learning from peer team in the context of enhancing writing skills, Action Research, Integration of ICT in language learning, Developing Reading skills, Effective classroom Management, Collaborative Learning Strategies and Designing Engaging English projects were dealt with. The general topics such as Judicious use of Social Media, Work Life balance,21st Century skills Inclusive Education and Ethics and integrity of Value Education were also focused.

Ms. Menaxi Jain, Director, ZIET Mysore and Course Director, Mr. Viswanathan K, Vice Principal KV Ottapalam, Ernakulam Region as Associate Course Director, Mr. M. Rajendran, Training Associate (Eng.), ZIET Mysore as Course Co-Ordinator, Mr. Appollo Arulraj, PGT(Eng.), KV Vijayanarayanam, Chennai Region and Ms. Geethanjali Kumar PGT(Eng.) KV No.1 Calicut Ernakulam Region as Resource persons made the course with rich learning experience.

5-DAY OFFLINE INDUCTION COURSE FOR PGT(CHEMISTRY) LDCE

In compliance with Kendriya Vidyalaya Sangathan letter Ref. F.No. 11-ACTROLtr / 3 / 2023-AC(TRG)/1024-1053/dt 20.03.2024, the 5-day induction course second spell online mode for newly recruited PGT (Chemistry) was held on dates 9.8.24,27.08.24,06.09.24,12.09.24 and 27.09.24. A total of 52 PGTs from 15 regions were attended the second phase of the course in online mode. Ms Menaxi Jain,DC KVS and Director ZIET Mysuru was the Course Director for the course and Mr Jyothi Mohan N V Principal KV RB Kottayam was the Associate Course Director. Sh Sibu John PGT(Chem) KV Kollam and Ms Shyla P PGT(Chem) KV Port Trust Kochi were the Resource Persons for the course. The Course was conducted at this institute as per the Course design and time table received from the KVS(HQ) New Delhi.

Following areas were covered during the first phase of the induction course

- Competency based lesson plan
- Principles of assessment and evaluation
- CBSE curriculum for class XI and XII
- Lab activities
- Need of Inclusive education
- Experiential Learning
- Role of teacher as per NEP-2020

Two Days Online Induction Course for TGT (P&HE)

on 01.08.2024 & 07.08.2024

The online workshop for TGT P&HE for two days (01.08.2024 to 07.08.2024) started in continuation of 5-day offline workshop held in June 2024 for 48 TGT (P&HE) Participants.The Course started with the welcome of all the Dignitaries, Director, ACD & Resource persons and participants by our Course Coordinator Mr. D K Singh sir. There after ACD Mrs. Sangeeta Gutain mam addressed the meeting took the session followed by another session by mr surya Prakash RP. Our Course Director Miss. Minakshi Jain mam and this two day was completetely dedicated on presentation of reflective practices, what actually they have implemented after the offline workshop. Overall sessions were too interactive and effective and successful.

<u>Report on 3 Day Workshop on Capacity Building Programme for GPIA at ZIET Mysuru</u>

KVS HQ has organized a Capacity Building Programme for the General Pool of Internal Auditors at ZIET Mysuru from 22-07-2024 to 24-07-2024. A total of 56 participants from five Regions, i.e. Ernakulam, Chennai, Bengaluru, Hyderabad & Ranchi attended the same. Workshop Coordinator D K Singh Welcomed all the dignitaries and participants.

The Training Programme started with lighting of the lamp by Shri. Satya Narain Gulia, Joint Commissioner, Finance, KVS HQ, Ms Menaxi Jain, Director, ZIET Mysuru & Shri. Sanjay Kumar, Deputy Commissioner, Finance, KVS HQ, followed by KVS Prayer.

Finally, the three day GPIA Workshop successfully ended with key note address by Shri. Satya Narain Gulia, Joint Commissioner, Finance, KVS HQ.

REPORT FOR THE INDUCTION COURSE OF NEWLY RECRUITED PRINCIPALS (DR & LDCE) IN ONLINE MODE DURING THE MONTHS OF JULY AND AUGUST 2024

For the Induction course of newly recruited Principals (DR & LDCE) six half-day sessions were conducted during the months of July and August 2024. The ACDs, the RPs and experts among the participants took sessions on

- “KVS Online Supervision tool (PIMS) Status report’
- Empowering Teachers and School Leaders: Promoting Mental Health and Well-being for All
- Holistic and 360-degree Assessment
- Competency-based Assessment-SAFAL, SQUAAF
- Procurement through GeM
- Competency-based Education and FLN Status report presentation
- Being an Instructional Leader: Analysing Data for School Improvement
- ChildRights, POCSO Act 2012; PoSH Act 2013, ICC.

In addition to these sessions, the participants also presented the Action Research Projects undertaken by them in their respective Vidyalayas. For the Induction course of newly recruited Principals (DR & LDCE) six half-day sessions were conducted during the months of July and August 2024. The ACDs, the RPs and experts among the participants took sessions on

- “KVS Online Supervision tool (PIMS) Status report’
- Empowering Teachers and School Leaders: Promoting Mental Health and Well-being for All
- Holistic and 360-degree Assessment
- Competency-based Assessment-SAFAL, SQUAAF
- Procurement through GeM
- Competency-based Education and FLN Status report presentation
- Being an Instructional Leader: Analysing Data for School Improvement
- ChildRights, POCSO Act 2012; PoSH Act 2013, ICC.

Report on the 3-day online Workshop on 'Competency Based Curriculum transaction in accordance with NEP 2020 with test items for PGTs in English

The 3-day online Workshop on 'Competency Based Curriculum transaction in accordance with NEP 2020 with test items for PGTs in English was conducted from 20th to 22nd August 2024.A total of 32 participants from four Feeder Regions namely Bangalore, Chennai, Ernakulam and Hyderabad attended the Course.

The vital areas of the workshop namely Principles of CBE enshrined in NEP 2020, Competency Based Teaching (Vs) Traditional Methods, CB Lesson Planning, Competency based teaching to achieve learning outcomes in context with Creative Writing Skills, Assessment Techniques for Secondary Classes in accordance with NEP 2020/CBA Test items, Designing Competency Based tasks for Language classroom and Learning Outcomes, Developing effective feedback mechanism, Integration of ICT in Language Learning, Learning Objectives & Learning Outcomes and Project Work & ALS were focused with a view to developing the professional excellence of teachers of English.

Ms. Menaxi Jain, Director, ZIET Mysore and Course Director, Mr. Viswanathan K, Vice Principal KV Ottapalam, Ernakulam Region as Associate Course Director, Mr. M. Rajendran, Training Associate (Eng.), ZIET Mysore as Course Co-Ordinator, Mr. Appollo Arulraj, PGT(Eng.), KV Vijayanarayanam, Chennai Region and Ms. Geethanjali Kumar PGT(Eng.) KV No.1 Calicut Ernakulam Region as Resource persons made the course with rich learning environment

3 -DAY ONLINE WORKSHOP ON
COMPETENCY BASED ASSESSMENT IN SCIENCE: DESIGN THE TEST ITEMS

A 3 -day online workshop on "COMPETENCY BASED ASSESSMENT IN SCIENCE: DESIGN THE TEST ITEMS " was conducted by ZIET Mysore from 31.07.2024 to 02.08.2024. Mrs. Seema Saraswat, TGT(Science), KV Vijay Pura & Mrs. Neeta Wage, TGT(Science), KV Hebbal, Bengaluru Region were Resource Persons. A total of 30 participants from Four feeder Regions attended the workshop. The inauguration began with KVS prayer song. Mr. Dinesh Kumar, Training Associate (Physics), ZIET Mysore and Coordinator of the workshop welcomed all.
Mr. Manoj Kumar Paliwal, Principal KV Ni.1 Madurai & ACD of the workshop, presented the Objectives of the course. He emphasized the necessity to understand the importance of competency Based Education in teaching science and the need for adapting it.

Ms. Menaxi Jain, Director, ZIET Mysore, in her keynote address, emphasize on competency-based education. Mam Also stresses on the facts that science should be imparted to students in such a way that can develop scientific temperament among the students. To impart ethics and values among the student's madam suggested to display the portraits of Indian scientist along with their contribution towards science and society.

Ms Seema Saraswat and Ms Neeta wage the resource persons explain the participants about learning outcomes, principles to design the test items and various competencies.

The workshop was designed to enhance scientific temperament and to develop their competencies. To develop scientific temperament among the students and to make them critical and creative thinkers, activity based, experiential learning and learning by doing are the best techniques.

Report on Induction Course for Vice Principal

ONLINE: 06.06.2024 and 11.07.2024.

A 12-day induction training and content enrichment & pedagogical training of newly recruited vice- principals was conducted at ZIET Mysuru from 05.02.2024 to 10.02.2024(offline) and online mode on 05.03.2024, 14.03.2024, 04.04.2024, 02.05.2024, 06.06.2024 and 11.07.2024. Mrs. Rubina M. R., Principal of KV CRPF Yelahanka, Bengaluru, acted as the Associate Course Director, and Mr. Vishwanathan K., Vice-Principal of KV Ottapalam, Ernakulam Region, and Mr. Alex Jose, Vice-Principal of Peroorkada, Ernakulam Region, acted as Resource Persons. Mr. D. Sreenivasulu, TA (Maths), and Mr. Dinesh Kumar, TA (Physics), were the coordinators. A total of 44 participants from six regions (Bengaluru, Hyderabad, Ernakulam, Chennai, Dehradun, and Varanasi) attended the workshop. The inauguration began with the KVS prayer song. Mr. D. Sreenivasulu, Training Associate (Maths) at ZIET Mysuru and Coordinator of the workshop, welcomed everyone.

Shri N. R. Murali, Additional Commissioner (Acad), KVS HQ, emphasized the roles and responsibilities of vice-principals and principals in the Vidyalayas. Mrs. Rubina M. R. explained Academic Supervision and Classroom Observation, the salient features of NEP-2020, PM SHRI, ATL Lab, the Constitution of VMC and VEC, conducting meetings, KVS flagship programs, and Building as Learning Aid (BaLA). Mr. O. S. Sheoran, AC Finance, discussed financial matters including GFR-2017, purchase procedures, GeM, personal claims of employees (TA/DA, LTC, medical claims, CGHS, and CEA), leave rules, vacation, and related matters.

The resource persons explained the Admission Guidelines Act of 2009 and its implications, students' safety SOP/SQAA, the Vidyalaya Plan and Assessment Tool, maintenance of Vidyalaya plants for sustainable growth, and effective communication with all stakeholders. They also covered SWOT analysis, strategic leadership qualities, innovation and experimentation, ICT in school management, the UBI Fee Portal, the RTI Act, handling court cases, and the KVS online supervision tools (PIMS) status report.

The Guest speakers taken the sessions NCF-SE 2023, perspective on curriculum transaction of languages, social sciences, mathematics and science and promotion of action research and Inclusive Education and Learning disabilities.

The Training Associates explained the importance of 81(B)/POCSO and POSH Act, Internal Complained Committee, NCPCR Guidelines and Implementation, KVS code of conduct for students and teachers, ccs conduct rules and FLN-NIPUN bharat mission, NCF- FS 2022, Jadui Pitara, Bal Vatika, Vidya Pravesh and CMP, Rajbhasha and its Implementation.

All the participants actively engaged in the sessions and completed the assigned group work on time.

REPORT ON

10 -DAY (OFFLINE & ONLINE) INDUCTION COURSE OF PGT(MATHS)-LDCE 2024

A 10-day (offline & online) induction course for PGT (Maths) LDCE 2024 was conducted by ZIET Mysore from 24.06.2024 to 28.06.2024 (Offline Mode), with online sessions held on 09.07.2024, 26.07.2024, 12.08.2024, 28.08.2024, and 10.09.2024.

During the session, the following topics were discussed: Subject Enrichment Activities (Math Lab Maintenance and Activities—Discussion and Demonstration), 21st Century Skills in light of NEP-2020, Effective Classroom Management, Rajbhasha Implementation, Extensive Use of FOSS, Cyber Safety, Security and Hygiene, Discussion on Admission/CCA/Examination (Internal/CBSE), POCSO Act 2012/POSH Act 2013, Leave Rules, and Personal Claims (TA/DA, LTC, Medical Claims, and CEA), Equitable and Inclusive Education, Behavioral Training: Focus on Attitude Building, Applications of Artificial Intelligence in Mathematics, and Stock Procurement/ Management/ Verification/ Condemnation Procedures—GeM Portal. These discussions were led by guest speakers, internal speakers, and training associates.

3 -DAY ONLINE WORKSHOP ON
ENHANCEMENT OF LAB ACTIVITIES IN MATHEMATICS
& RESOURCE MATERIAL

A three-day online workshop on “Enhancement of lab activities in Mathematics & Resource Material” was conducted by ZIET Mysore from 20.08.2024 to 22.08.2024.

Mr. Agimon A Chellamcott, Principal, KV Idukki, Ernakulam Region acted as Associate Course Director of the Course and Mr. M. Srinivasan, PGT(Maths), PM SHRI KV Ashok Nagar, Chennai Region and Mr. Jaseer K P, PGT(Maths), PM SHRI KV No2 Mangalore, Bengaluru Region were acted as Resource Persons. Mr. D. Sreenivasulu, TA(Mathematics) was coordinated the workshop as per the instruction given by Director madam. A total of 31 participants from four feeder Regions (Bengaluru, Hyderabad, Ernakulam and Chennai) attended the workshop. The inauguration began with KVS prayer song. Mr. D. Sreenivasulu, Training Associate (Maths), ZIET Mysore and Coordinator of the workshop welcomed all.

Ms. Menaxi Jain, Director, ZIET Mysore, in her keynote address emphasized that conceptual clarity in Mathematics can be achieved through activities, and Mathematics laboratory activities provide hands-on experiences to explore mathematical concepts beyond theoretical learning.

Mr. Agimon A Chellamcott, Principal, KV Idukki ACD of the workshop, presented the Aims and Objectives of the course. He explained the objectives of teaching Mathematics as envisaged in NEP 2020 in detail. The pedagogical shift from rote learning to conceptual learning is possible only through proper planning of activities

Mr. M. Srinivasan, PGT(Maths), PM SHRI KV Ashok Nagar discussed the guidelines provided by CBSE, NCERT, and KVS for setting up a Mathematics Laboratory, as well as the benchmarks set by KVS. He explained the use of ICT tools in Mathematics education and emphasized the importance of using multimedia resources and their types in classroom transactions, as part of NEP 2020. He also highlighted various Open Educational Resources (OER) websites, such as NROER, UNESCO-Supported Inclusive Learning, Diksha, and CLIX OER. Some resources on fractions, like the Police Quad Game, PHET simulations and games, CLIX interactive exercises, Toy Theatre, and GeoGebra, were also mentioned.

Mr. Jaseer K P, PGT (Maths), PM SHRI KV No. 2 Mangalore, explained 'Planning Maths Lab Activities for Class XI and XII as per the CBSE Curriculum.' He discussed chapter-wise lab activities and viva questions. In addition, he talked about the syllabus for the IMO and provided details of books that can be used to prepare students, which were available on the website he shared with us. Question papers for KV/JNV and non-KV/non-JNV schools were also available online.

3 -DAY ONLINE WORKSHOP ON

COMPETENCY BASED ASSESSMENT IN MATHEMATICS: DESIGN THE TEST ITEMS

A three-day online workshop on “Competency-Based Assessment in Mathematics: Design of Test Items” was conducted by ZIET Mysore from 31.07.2024 to 02.08.2024. Mr. Siby Sebastian, Principal, PM SHRI KV, INS Dronacharya, Ernakulam Region, acted as Associate Course Director, and Mrs. P.S. Kavitha, TGT (Maths), K.V. DRDO, Bengaluru Region, along with Mr. M. S. Kumar Swamy, TGT (Maths), K.V. Gachibowli, Hyderabad Region, acted as Resource Persons. Mr. D. Sreenivasulu, TA (Maths), coordinated the workshop as per the instructions given by the Director. A total of 32 participants from four feeder regions (Bengaluru, Hyderabad, Ernakulam, and Chennai) attended the workshop. The inauguration began with the KVS prayer song, and Mr. D. Sreenivasulu, Training Associate (Maths), ZIET Mysore, and Coordinator of the workshop, welcomed everyone.

Ms. Menaxi Jain, Director, ZIET Mysore, in her keynote address, emphasized **the importance of** competency-based education and Competency-Based Assessment. She stressed that Mathematics should be taught in a way that helps students solve problems and relate them to real-life situations.

Mr. Siby Sebastian, Principal, PM SHRI KV, INS Dronacharya, and Associate Course Director of the workshop, presented the aims and objectives of the course. He emphasized the necessity of understanding the significance of Competency-Based Education and Competency-Based Assessment in teaching Mathematics and the need to adapt to these methods. He also explained the importance of Mathematics in everyday life.

Mrs. P. S. Kavitha, Resource Person, highlighted the importance of learning outcomes across different classes in Mathematics and explained the difference between learning objectives and learning outcomes. She elaborated on the concepts of AO1 and AO2, providing various examples, and explained how to identify whether a particular question aligns with AO1 or AO2.

Mr. M. S. Kumar Swamy, Resource Person, explained competency-based learning and assessment in Mathematics. He discussed formative assessment activities, including multiple-use assessments and content-specific assessments. Various activities for all classes were discussed. Art-integrated projects were also presented through videos, showcasing many projects such as spiral root activities and determining the altitudes of a triangle using the paper-folding method, all aimed at assessing students' understanding of concepts. He emphasized the importance of formative assessment as a tool that provides immediate feedback.

All the participants actively participated in preparing CBA test items in Mathematics for Classes VII to X and presented the work they had created.

3 -DAY ONLINE WORKSHOP ON

COMPETENCY BASED ASSESSMENT IN PHYSICS: DESIGN THE TEST ITEMS

A three-day online workshop on competency-based assessment in physics was conducted by ZIET Mysore from 24.09.2024 TO 26.09.2024. Mr Randheer Vannery was the Resource Person. A total of 33 participants from Four feeder Regions attended the workshop. The inauguration began with KVS prayer song. Mr. Dinesh Kumar, Training Associate (Physics), ZIET Mysore and Coordinator of the workshop welcomed all.

Mr. Mathew Abraham, Principal KV Konni & ACD of the workshop, presented the Objectives of the course. He emphasized the necessity to understand the importance of competency Based Education in teaching physics and the need for adapting it.

Ms. Menaxi Jain, Director, ZIET Mysore, in her keynote address, emphasize on competency-based education. Mam Also stresses on the facts that science should be imparted to students in such a way that can develop scientific temperament among the students. To impart ethics and values among the student's madam suggested to display the portraits of Indian scientist along with their contribution towards science and society.

Mr Randheer Vannery, the resource persons explain the participants about learning outcomes, principles to design the test items and various competencies.

The workshop was designed to enhance scientific temperament and to develop their competencies. To develop scientific temperament among the students and to make them critical and creative thinkers, activity based, experiential learning and learning by doing are the best techniques.